कानेर

कृषि विश्वविद्यालय

वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) में रजत जयंती वर्ष पर वार्षिकोत्सव-2024 का मंगलवार रात्रि को रंगारंग आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार व विशिष्ट अतिथि अटारी जोधपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एसके सिंह थे। आईएबीएम के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। संस्थान के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, मूकाभिनय, नाटक और समूह गान का प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय खेल सप्ताह तथा संस्थान के प्रबंधन कार्यक्रम अभिव्यक्ति के विजेताओं को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि व्यवसाय प्रबंधन में उत्कृष्ट बताते हुए नवाचारों के साथ संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा दी। मंच संचालन एमबीए विद्यार्थी लीबा, प्रज्वल, प्रेरणा तथा विदित ने किया।

पंजाब केसरी
THU,24 OCTOBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

एस.के.आर.ए.यू.: गोद लिए हुए गांव पेमासर में मूंगफली के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने का दिया प्रशिक्षण

■ दीपावली के त्योहार को देखते हुए मिठाई बनाने व घर को सजाने का सामान बनाने का प्रशिक्षण भी दिया

पेमासर में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम में भाग लेते ग्रामीण। (प्रेम)

बीकानेर, 23 अक्तूबर (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए हुए गांव पेमासर में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत ग्रामीणों को मूंगफली के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, साथ ही दीपावली त्यौहार के मद्देनजर घर पर मिठाइयां बनाने व घर को सजाने के सामान बनाने का प्रशिक्षण भी गांव के लोगों को प्रदान किया गया। पंचायत भवन में आयोजित।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि ए.सी.ई.ओ. जिला परिषद दिलीप कुमार व सरपंच एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं पेमासर गांव के सरपंच तोला राम कूकणा थे। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन भी रखा गया, साथ ही विद्यार्थियों ने अपने स्टार्टअप का प्रदर्शन भी किया।

कार्यक्रम में कुलपति अरुण कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए इस प्रकार के कार्यक्रमों की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न प्रकार के जो प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, गांव के लोग खुद अपनी स्टॉल लगाएं। उत्पाद बेचें।

ए.सी.ई.ओ. दिलीप कुमार ने इन गतिविधियों को राजीविका से जोड़ने की बात कही, जिससे ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

सरपंच एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं पेमासर गांव के सरपंच तोला राम कूकणा ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए प्रशिक्षण के जरिए घर में ही विभिन्न सामग्री बनाकर बाजार में बेचकर धनोपार्जन करें, ताकि महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़े तथा वे आत्मनिर्भर भी बन सकें।

इस अवसर पर जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशक डॉ. प्रदीप पगारिया, एसकेआरएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश, निदेशक प्रसार डॉ. पी.एस. शेखावत, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला ढुकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
THU,24 OCTOBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

आई.ए.बी.एम. में रजत जयंती वर्ष पर वार्षिकोत्सव-2024 का हुआ रंगारंग आयोजन

बीकानेर, 23 अक्तूबर (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) में रजत जयंती वर्ष पर वार्षिकोत्सव-2024 का मंगलवार रात्रि को रंगारंग आयोजन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार व विशिष्ट अतिथि अटारी जोधपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एस.के. सिंह थे।

आई.ए.बी.एम. के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। संस्थान के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, मूकाभिनय, नाटक और समूह गान का प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय खेल सप्ताह तथा संस्थान के प्रबंधन कार्यक्रम अभिव्यक्ति के विजेताओं को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने संबोधन में संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर कृषि व्यवसाय प्रबंधन में उत्कृष्ट बताते हुए नवाचारों के साथ संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा दी।

इससे पूर्व कार्यक्रम में आई.ए.बी.एम. निदेशक डॉ.आई.पी.सिंह ने संस्थान की वार्षिक प्रगति का प्रतिवेदन किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिष्ठाता, कृषि वैज्ञानिक, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक कार्मिक, संस्थान के एमबीए तथा पी.एच.डी. विद्यार्थियों सहित संस्थान के शैक्षणिक वर्ग से डॉ. अदिति माथुर, डॉ अमिता शर्मा तथा गैर शैक्षणिक वर्ग में सज्जन सिंह, हरदेव सिंह, दिलीप सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते विद्यार्थी। (प्रेम)